क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 333, बुधवार, 02 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

95 आईएएस अधिकारियों को नए साल पर प्रमोशन का तोहफा

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने नए साल पर 95 आईएएस अफसरों को प्रोन्नति की सौगात दी है। इनमें 2010 बैच के 38 , 2006 बैच के 18, 1994 बैच के 3, 2015 बैच के 20, 2003 बैच के 15 व 1994 बैच के एक आईएएस अधिकारी शामिल हैं। प्रदेश के नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग ने नए साल के पहले दिन इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है। इन सभी अधिकारियों को वर्तमान पद पर बनाए रखते हुए सुपर टाइम वेतमान, वरिष्ठ समय वेतनमान, सेलेक्शन ग्रेड वेतनमान व कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान देने की स्वीकृति राज्यपाल द्वारा प्रदान की गई है।

1994 बैच

लीना जौहरी, अमित कुमार घोष, पार्थ सारथी सेन शर्मा को सुपरटाइम वेतनमान (67000 -79000)में प्रोन्नति दी गई है। यह वर्तमान में केंद्र सरकार में तैनात हैं।

2003 बैच

इस बैच के अधिकारियों को सुपर टाइम वेमनमान (37400- 67000)में प्रोन्नति मिली है। इनमें मिनिष्ती एस, रितु माहेश्वरी, अमृता सोनी, विकास गोठवाल, दिनेश चंद्र, भगेलू राम शास्त्री, यशवंत राव, कनक त्रिपाठी, प्रीति शुक्ला, सत्येंद्र कुमार सिंह, महेंद्र कुमार शामिल हैं। मयूर माहेश्वरी, एवी राजामौलि, पिंकी जोवेल, रिंग्जयान सैम्फि ल।

महानिवार्णी अखाड़े की निकली भव्य पेशवाई

प्रयागराज। विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम कुम्भ मेला से पहले महानिवार्णी अखाड़ा के साधु-संतों ने हाथी, घोड़ा, पालकी और बैंड बाजों से सजी भव्य पेशवाई निकाली। पेशवाई में सबसे आगे अखाडा का ध्वज लहरा रहा था। उसके बाद नागा सन्यासियों का समूह करतब दिखाते आगे -आगे बढ़ रहा था। रथ पर आरूढ़ आराध्य कपिल मुनि की मूर्ति थी जिसपर महात्मा चंवर डुला रहे थे। बीच बीच में रथ पर सवार साधु-महात्मा दर्शन के लिए कतार में खड़े श्रद्धालुओं पर जल में डूबोकर पुष्प ड़ाल रहे थे। दूसरी तरफ लम्बे समय से सड़क के दोनों तरफ खड़े श्रद्धालु भी साधु-महात्माओं पर पुष्प चढा रहे थे। मंगलवार को प्रयागवासियों को सनातन धर्म की समृद्ध परम्परा और संस्कृति के दिव्य, भव्य और अलौकिक दर्शन उस समय हुए जब महानिवार्णी अखाड़ा की पेशवाई श्रीपंच की छावनी में दस बजे वैदिक मंत्रों से पूजा पाठ के बाजे 11 बजे हाथी, घोड़ा, पालकी, रथ और बैंड़ बाजों के साथ गंगा पार झूंसी स्थित सेक्टर 16 में बने शिविर के लिए रवाना हुई। पेशवाई में परम्परा के मुताबिक ही हाथी, घोड़े, ऊंट और बैंड बाजे के साथ जूना अखाड़े के आचार्य महामणडलेश्वर, महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर और नागा साधुओं ने शिरकत की। नागा साधुओं ने अपने अस्त्र शस्त्र के साथ पेशवाई के बीच में जगह-जगह रुककर युद्ध कौशल का भी प्रदर्शन किया। सड़क के दोनों किनारो पर दो घोड़ों पर सवार दो नागा सन्यासी नगाड़ा बजाते हुए चल रहे थे।

इसके बीच में साधु, महात्मा, सन्यासी, नागा चल रहे हैं। पेशवाई में रथ पर सबसे आगे राजगुरू निवार्णी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विशेका नंद गिरी, अटल पीठरधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर विश्वाता नंद महराज, महामंडलेश्वर शिव चैतन्य प्रभु जी, महामंडलेश्वर गीता भारती जी समेत पचासों साधु,संत महात्मा रथ पर आरूढ़ हैं। इससे पहले श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा, श्रीपंच अग्नि अखाड़ा और अटल अखाड़े की शाही ढ़ंग से पेशवाई निकल चुकी है।

पोर्ट ब्लेयर: नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा भारतीय भूमि पर तिरंगा फहराने की 75 वीं वर्षगांठ मनाए जाने के मौके पर आयोजित समारोह में शिरकत करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

पूर्व विधायक ने मृत्युभोज नहीं कराने का लिया संकल्प, हो रही है सराहना

भिंड, एजेंसी। मध्यप्रदेश के चंबल संभाग के भिंड जिले में अपनों के निधन पर होने वाले मृत्युभोज की कुप्रथा अब धीरे-धीरे खत्म हो रही है। भिंड जैसे रूढिवादी जिले में मृत्युभोज को लेकर बडा सामाजिक बदलाव आ रहा है। इसी का परिणाम है कि साल 2018 में कई लोगों ने मृत्युभोज से इंकार कर उस पर खर्च होने वाली राशि को सामाजिक और विकास कार्यों पर खर्च किया। पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह की माता जी उर्मिला सिंह के निधन के बाद कल उनके निवास पर हुई शोकसभा के दौरान पूर्व विधायक और उनके परिवार ने मृत्युभोज नहीं कराने का संकल्प लिया।

पूर्व विधायक के इस निर्णय की चारों ओर सराहना की जा रही है। इसके पहले अटेर क्षेत्र के मसूरी गांव के डॉ शैलेंद्र परिहार के पिता के निधन के बाद जब वे अपने पिता का अंतिम संस्कार करने मुक्तिधाम पर पहुंचे तो वहां की दुर्दशा देख उन्होंने उसे संवारने का संकल्प लेते हुए मृत्युभोज को भी इंकार करने का निर्णय किया।

उन्होंने तय किया कि मृत्युभोज पर खर्च होने वाली राशि से मुक्तिधाम संवारेंगे। इसी क्रम में उन्होंने मुक्तिधाम की ओर जाने वाली सीसी सड़क बनवाई।

जिले के समाजसेवी मनोज दैपुरिया ने भी अपनी मां कलावती दैपुरिया के निधन पर मृत्युभोज नहीं कराया, बल्कि उस पर खर्च होने वाली राशि को सामाजिक कार्यों में खर्च करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपनी मां की याद में निर्धन बुजुर्गों को तीर्थयात्रा कराई।

केस न हटे तो मप्र और राजस्थान में सरकार से समर्थन वापस: मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती (Mayawati) ने कांग्रेस को चेतावनी देते हुए कहा है कि मध्य प्रदेश और राजस्थान सरकार ने 2 अप्रैल 2018 को भारत बंद के दौरान झूठे मामलों में फ्साए गए एससीएसटी वर्ग के लोगों का मुकदमा वापस न लिया तो समर्थन वापस ले लिया जाएगा। उन्होंने नए साल की बधाई देते हुए यह भी कहा कि जनता तय करे कि साल 2014 जैसी गलती नहीं करेगी। नया साल 2019 खास महत्व रखता है। मायावती ने कहा है कि तीन राज्यों में बनी कांग्रेस की सरकार को एससी, एसटी कानून 1989 और सरकारी कर्मियों के प्रमोशन में आरक्षण बहाली को लेकर 2 अप्रैल 2018 को हुए भारत बंद के दौरान फंसाए गए निर्दोशों के केस वापस लेने चाहिए। खासकर दलित और आदिवासी समाज का जनहित से जुड़ा ऐसा अहम मुद्दे पर कांग्रेस की सरकारों द्वारा उचित कार्रवाई न करने पर मध्यप्रदेश व राजस्थान में समर्थन पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों में ही लोकसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने की संभावना है। अब यह देश व खासकर उत्तर प्रदेश की लगभग 25 करोड़ जनता पर निर्भर करता है कि वादा खिलाफी करने वाली केंद्र की भाजपा सरकार को कैसे कड़ी सजा वोटों से देती है। केंद्र व यूपी की भाजपा सरकार में जंगलराज से आम जनता ही नहीं कानून के रखवालों के भी जान के लाले पड़ने लगे हैं। बुलंदशहर और गाजीपुर इसका खास उदाहरण है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को अपना अड़ियल रवैया त्यागकर तीन तलाक विधेयक को पहले संयुक्त संसदीय प्रवर समित के पास विचार के लिए भेजे जाने की समूचे विपक्ष की मांग को स्वीकार कर लेना चाहिए। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बनी कांग्रेस की नई सरकारों को भाजपा की तरह किसानों व बेरोजगारों से वादाखिलाफी कतई नहीं करनी चाहिए। लोगों का यही मानना है कि कागजी घोषणाओं के मामले में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही एक ही थाली के चट्टे-बट्टे रहे हैं। अब यह कांग्रेस के ऊपर है कि वह इस धारणा को बदल पाती है या नहीं।

>>> सभी की मौत, मचा कोहराम

पशु लदे ट्रक ने एक परिवार के 7 लोगों को रौंदा

इलिया (चंदौली) उत्तर प्रदेश के चंदौली में इलिया थाना क्षेत्र के माल्दह गांव में मंगलवार की अलसुबह लगभग पांच बजे मवेशी लदे डीसीएम ने सड़क किनारे मड़ई में सो रहे एक परिवार के सात लोगों को रौंद दिया। हादसे में परिवार के मुखिया के अलावा दो महिला, तीन बच्चे समेत सात लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ग्रामीणों में कोहराम मच गया। डीसीएम को छोड़कर चालक व पशु तस्कर पैदल ही भाग निकले। घटनास्थल पर डीएम, एसपी समेत कई थाने की पुलिस फोर्स पहुंच गई। एसपी ने इलिया थानाध्यक्ष व एसएसआई को निलंबित व चकिया प्रभारी कोतवाल को लाइन हाजिर कर दिया। डीएम ने मृतक परिवार को पांच लाख मुआवजा व पट्टे पर जमीन देने की घोषणा की है। हादसे के बाद ग्रामीणों ने जमकर हंगामा मचाया। पुलिस पर पशु तस्कर में संलिप्त होने का आरोप भी लगाया। बिहार बार्डर (bihar border) से आधा किमी पहले माल्दह गांव निवासी 65 वर्षीय कल्लू मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। भूमिहीन होने से पूरा परिवार सड़क किनारे मड़ई में ही रहता था। कल्लू का छोटा बेटा 18 वर्षीय मुनीब अहमदाबाद गुजरात में एक फैक्ट्री में काम करता है। सोमवार की रात खाना

खाने के बाद मड़ई में कल्लू राम, उसकी पत्नी 60 वर्षीया श्यामा देवी, पुत्र 32 वर्षीय रामकिशुन, उसकी पत्नी 28 वर्षीया सुहागिन के अलावा बच्चे 10 वर्षीया निशा, 8 वर्षीय गोलू, 6 वर्षीया मुन्नी व 4 वर्षीय मोलू सो रहे थे। इधर, मालवाहक डीसीएम में लगभग दो दर्जन मवेशी लादकर तस्कर बिहार ले जा रहे थे। पशु तस्करों का डायल 100 पुलिस टीम पीछा करने लगी। पुलिस टीम को पीछे आते देख माल्दह गांव के समीप अचानक डीसीएम अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंभे को टक्कर मारते हुए कल्लू की मड़ई में घुस गई। डीसीएम मड़ई में सो रहे परिवार के सभी सातों सदस्यों को रौंदते हुए खेत में फंस गई। हादसे के बाद ग्रामीणों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों के पहुंचने से पहले डीसीएम चालक व पशु तस्कर पैदल ही भाग निकले। घटना की जानकारी होने पर एसडीएम चकिया दिसीदेव यादव, सीओ कुंवर प्रभात सिंह व थानाध्यक्ष नागेंद्र प्रताप सिंह पहुंच गए। हालांकि ग्रामीणों के हंगामे व विरोध की वजह से अधिकारियों व पुलिस को पीछे हटना पड़ा। लगभग एक घंटे बाद डीएम नवनीत सिंह चहल, एसपी संतोष सिंह के अलावा इलिया, चकिया, शहाबगंज, नौगढ़ बबुरी व सैयदराजा थाने की फोर्स पहुंच गई। हंगामारत ग्रामीण घटनास्थल पर मुख्यमंत्री को बुलाने, मृतक आश्रित परिवार के बेटे को सरकारी नौकरी दिलाने व मुआवजा और दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। डीएम व एसपी ने घंटों समझाने बुझाने के बाद ग्रामीणों को शांत कराया। डीएम ने भूमिहीन मृतक आश्रित परिवार के बेटे को पट्टे पर जमीन व पांच लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की। साथ ही मुख्यमंत्री राहत कोष से भी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

एसपी ने निलंबन की कार्रवाई

पशु तस्करों के क्रूरता के शिकार एक ही परिवार के सात लोगों की मौत से ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। भले की पुलिस तस्करों का पीछा करने का दावा कर रही है। लेकिन ग्रामीणों ने डायल 100 पुलिस पर तस्करों को प्रदेश की सीमा पार कराने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने कहा कि यदि पुलिस टीम पीछा कर रही थी, तो हादसे के बाद चालक व तस्कर फरार कैसे हो गए।

एसपी संतोष सिंह ने इलिया थानाध्यक्ष नागेंद्र प्रताप सिंह व एसएसआई अशोक यादव को निलंबित कर दिया। इसके अलावा सीओ चकिया कुंवर प्रभात सिंह के खिलाफ कार्रवाई के लिए डीएसपी को रिपोर्ट भेजने की बात कही। डायल 100 पुलिस टीम और इलिया थाने के कारखास वीरेंद्र सिंह के खिलाफ जांचोपरांत निलंबित की कार्रवाई का आश्वासन दिया।

आतंक पर वार: अमरोहा में एनआईए की फिर छापेमारी, आईएस के पोस्टर बरामद

अमरोहा। साल के पहले दिन उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एनआईए (NI) ने फिर छापेमारी की। रविवार तड़के से सैदपुर इम्मा में डेरा जमाए रहीं खुफिया टीमों ने पूर्व में संदिग्ध आतंकी की निशानदेही पर छापे को अंजाम दिया। छापे में तीन मोबाइल फोन, आईएसआईएस से जुड़ा साहित्य, झंडे, बैनर समेत अन्य संदिग्ध वस्तुएं कब्जे में लेने की बात कही जा रही है।

मंगलवार की सुबह सात बजे एनआईए की टीमें नौगावां सादात थाना क्षेत्र के सैदपुर इम्मा गांव पहुंची। यहां से पूर्व में हिरासत में लिए गए संदिग्ध आतंकी सईद को साथ लेकर एक बार फिर उसके घर पर छापेमारी की। जानकारी के मुताबिक यहां से आईएसआईएस से जुड़ा साहित्य, उसके झंडे, बैनर समेत अन्य संदिग्ध वस्तुओं को कब्जे में लिया गया। खुफिया एजेंसी ने यहां से एक सिल बट्टा और परात भी कब्जे में लिया। इनका इस्तेमाल विस्फोटक की पिसाई में करने की आशंका जताई जा रही है।

ग्रामीणों ने खुफिया अफसरों की इस कार्रवाई पर सवाल खड़े किए। बोले की जांच टीमें मनगढ़ंत आरोप लगा रहीं हैं। करीब दस बजे तक लगातार चली छापामारी के बाद टीम सईद को साथ लेकर क्षेत्र के पीला कुंड पहुंची और पूछताछ की।

दोपहर करीब एक बजे टीम दोबारा गांव में लौटी। सईद की निशानदेही पर इस बार टीम गांव ने जरीफ के घर पर छापामारी की। बताया जाता है कि टीम ने यहां से तीन मोबाइल फोन कब्जे में लिए गए। सूत्रों के मुताबिक एनआईए एक और संदिग्ध आतंकी सुहेल को लेकर यहां पहुंच सकती है। दिन भर इसको लेकर गांव समेत पूरे अमरोहा में हड़कंप मचा रहा।

देर शाम भी अमरोहा में भी टीम ने छापेमारी की जनकारी है। यह बात अलग है कि कार्रवाई की आधिकारिक जानकारी फिलहाल किसी ने नहीं दी है। सूचना पर पहुंची मीडिया को भी मौके से हटा दिया गया था।

सैदपुर इम्मा में दिन भर पसरी रही दहशत

आतंकी कनेक्शन को लेकर खुफिया एजेंसियों के राडार पर आए सैदपुर इम्मा में दहशत का माहौल बना है। नए साल के पहले ही दिन मंगलवार को सुबह होते ही गांव को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। पूरे दिन गांव में सुरक्षा एजेंसियों का पहरा रहा। दहशत का आलम यह रहा कि कई घरों में चूल्हे तक नहीं जले।

ऋण योजना को सरल बनाएगा डीएसएफडीसी

नई दिल्ली। दिल्ली एससी, एसटी, ओबीसी, माइनॉरिटी एंड हैंडीकैप फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएसएफडीसी) नए वर्ष में ऋण योजनाओं को अत्यंत सरल बनाएगा। इसकी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने व बोर्ड के कार्य की समीक्षा करने के लिए अधिकारियों की समिति गठित की गई है जो विचार विमर्श कर नियमों को सरल बनाने का तरीका तलाशेगी। शिक्षा ऋण योजना, समग्र ऋण योजना व परिवहन योजना के तहत प्रसंस्करण शुल्क में छूट, सेवाओं का लाभ उठाने वाले लाभार्थियों की अधिकतम संख्या को विभिन्न ऋण योजना देने और नियमों को सरलीकरण करने, दिल्ली स्वरोजगार योजना के लिए नियमों और शर्तों को सरल बनाने, स्ट्रीट वेंडर व अन्य को सरलता से ऋण उपलब्ध करवाने के लिए अधिकारियों की समिति अपनी रिपोर्ट जल्द पेश करेगी।

कड़ी सुरक्षा में भेजा गया मंडोली जेल

सज्जन कुमार ने कोर्ट में किया सरेंडर

नई दिल्ली एजेंसी। '84 के सिख विरोधी दंगे में आजीवन कारावास की सजा पाये पूर्व कांग्रेसी सांसद सज्जन कुमार ने अपनी सजा भुगतने के लिए सोमवार को अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उन्हें हाईकोर्ट ने पांच लोगों की हत्या के जुर्म में दोषी ठहराते हुए मृत्युपर्यत आजीवन कारावास की सजा सुनायी थी और 31 दिसम्बर तक आत्मसमर्पण कर देने को कहा था। इसी मामले में अन्य दो दोषी महेन्द्र यादव व किशन खोखर ने भी आत्समर्पण किया। अदालत ने उन्हें मंडोली जेल भेजने का निर्देश दिया। सज्जन कुमार दोपहर 2.25 बजे कड़कड़डूमा कोर्ट के डयूटी मजिस्ट्रेट अदिति गर्ग की अदालत में पहुंचे और औपचारिकताएं पूरी करते हुए अपने आत्मसमर्पण संबंधी कागजात मजिस्ट्रेट को दिये। उनके अधिवक्ता अनिल कुमार शर्मा व एसए हाशमी ने मजिस्ट्रेट से कहा कि यह मामला दिल्ली कैंट इलाके का है और इस इलाके के कैदी को तिहाड़ जेल भेजा जाता है। ऐसा हाल ही के हाईकोर्ट अधिसूचना में कहा गया है। मजिस्ट्रेट गर्ग ने कहा कि यह मामला स्थानांतरित होकर कड़कड़डूमा अदालत आया है और यहां के कैदी को मंडोली जेल भेजा जाता है। उन्होंने वकीलों की मांग को ठुकराते हुए कुमार को मंडोली जेल भेजने का निर्देश दिया।

वकीलों ने मजिस्ट्रेट से यह भी कहा कि सज्जन कुमार की सुरक्षा को देखते हुये उन्हें जेल से अदालत आने और अदालत से जेल भेजने के लिए अलग से वैन मुहैया कराई जाए। अदालत ने उनकी यह दलील मान ली और सज्जन कुमार को अलग से वैन में जेल भेजने का निर्देश दिया।

रिश्ते पर दाग: दामाद ने सास-ससुर का धारदार हथियार से गला काटा, ससुर की मौत

मनकापुर गोण्डा। उत्तर प्रदेश के गोंडा में पत्नी को विदा करने से मना करने पर गुस्साए दामाद ने अपने सास-ससुर पर गंड़ासे से हमला कर दिया। दुस्साहसी दामाद ने दोनों का गला काट डाला।

ससुर की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर हालत में सास को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी दामाद के विरुद्ध हत्या व जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर आलाकत्ल भी बरामद किया है।

मनकापुर के बुझावनपुरवा मछली बाजार निवासी दामाद पप्पू पुत्र रामकिशुन अपनी ससुराल पचपुती जगतापुर डिहवा, ससुर सोमई के घर गया हुआ था। मंगलवार भोर वह अपनी पत्नी प्रीती को विदा करने की जिद करने लगा। सास-ससुर के मना करने पर उसने ससुर सोमई व सास कुमारी देवी का गला गंड़ासे से काट दिया और मौके से फरार हो गया। सोमई की मौके पर मौत हो गई जबकि सास को सीएचसी ले जाया गया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मृतक के भाई जग्गू की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पप्पू के विरुद्ध केस दर्ज कर उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है। सूचना पर कोतवाल विनय कुमार सरोज, इंस्पेक्टर अपराध पीएन तिवारी मौके पर पहुंचे। वहीं एएसपी ह्रदेश कुमार ने भी मौकाए वारदात का जायजा लिया। एएसपी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

संपादकीय

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आतंकवादी संगठन आईएसआई से प्रेरित मॉड्यूल 'हरकत उल हर्ब ए इस्लाम' के खतरनाक मंसूबे को समय रहते उजागर कर देश में हमले की साजिश को नाकाम कर दिया है। लेकिन काम अब भी खत्म नहीं हुआ है। अब भी देश में ऐसे कई मॉड्यूल काम कर रहे हैं, जो भारत में हमले की साजिश में जुटे हैं। अतः सुरक्षा एजेंसियों को काम करते रहना होगा।

बेनकाब हुई आतंक की साजिश

यह राहतकारी है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकवादी संगठन आईएसआई से प्रेरित मॉड्यूल 'हरकत उल हर्ब ए इस्लाम' के खतरनाक मंसूबे को समय रहते उजागर कर देश को एक बार फिर से लहूलुहान होने से बचा लिया। अन्यथा जिस सुनियोजित तरीके से 'हरकत उल हर्ब ए इस्लाम' के दहशतगर्दों ने देश को दहलाने और शीर्ष नेताओं को टारगेट पर लेने की जो साजिश रची थी वह बेहद भयावह थी। उसकी पुष्टि उनके पास से बरामद खतरनाक विस्फोटक सामग्रियों और राकेट लांचरों से भलीभांति हो जाता है। यह खतरनाक है जिन साजिशकर्ताओं की धरपकड़ हुई है उनमें कई उच्च और तकनीकी शिक्षा प्राप्त हैं। ऐसे में यह धारणा स्वतः खारिज हो जाती है कि आतंकी कृत्यों में सिर्फ गरीब और कम पढ़े-लिखे लोग ही संलिप्त हैं। जिन दर्जन भर लोगों की गिरफ्तारी हुई है उनमें सभी मध्यमवर्गीय परिवारों से हैं और वे अच्छी तरह अवगत भी हैं कि वे देश के खिलाफ साजिश के हिस्सेदार हैं। जो सबसे खतरनाक बात है वह यह कि आतंकी संगठनों का प्रभाव अब अशिक्षित व मजहबी उन्मादियों तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि वह पढ़े-लिखे युवाओं को भी अपनी ओर आकर्षित करने लगा है। यह स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने के लिए खतरनाक है।

ध्यान देना होगा कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा जिन डेढ़ दर्जन स्थानों मसलन दिल्ली के सीलमपुर-जाफराबाद, लखनऊ, अमरोहा, मेरठ और हापुड़ में छापेमारी कर संदिग्ध लोगों की गिरफ्तारी की गई है, यह इलाका आतंकियों के लिए पसंदीदा रहा है। खुफिया एजेंसियों की मानें तो विगत वर्षों में उत्तर प्रदेश में आतंकी संगठनों की सक्रियता बढ़ी है। चूंकि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है और आतंकियों के लिए यहां पर आतंकी घटनाओं को अंजाम देना और अपने संगठन का विस्तार करना विशेष महत्व रखता है। चूंकि उत्तर प्रदेश में अयोध्या, काशी और मथुरा में निर्मित प्राचीन मंदिरों का विवाद पहले से ही राजनीतिक मुद्दा बना हुआ है ऐसे में इंकार नहीं किया जा सकता कि आइएस के माड्यूल 'हरकत उल हर्ब ए इस्लाम' की कोशिश भटके हुए नौजवानों को जिहाद का पाठ पढ़ाकर अपने मिशन को कामयाब बनाना हो। याद होगा अभी गत वर्ष ही उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इस्लामिक स्टेट के संदिग्ध आतंकवादी सैफुल्लाह को मार गिराया गया। उसके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक एवं घातक हथियारों की बरामदगी हुई थी। साथ ही यह भी तथ्य सामने आया था कि वह होली से पहले उत्तर प्रदेश में भीषण आतंकी वारदात को अंजाम देना चाहता था। इसी तरह हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी कमरुज्जमा उर्फ डॉ. हुरैरा की कानपुर से गिरफ्तारी हुई। उसकी मंशा भी गणेशोत्सव के दौरान उत्तर प्रदेश को दहलाने की थी। कहीं ऐसा तो नहीं कि आतंकी संगठन 'हरकत उल हर्ब ए इस्लाम' की मंशा भी प्रयागराज में कुंभ महोत्सव को दहलाने की थी?

ऐसा इसलिए संभव कि प्रयागराज में आयोजित कुंभ महोत्सव में देश के अलावा विदेश की जानी-मानी हस्तियां भी आमंत्रित हैं और हो सकता है कि यह माड्यूल उन्हें टारगेट कर भारत में आईएस की पैठ का प्रचारित करना चाहता हो। यहां इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि गिरफ्तार हुए आतंकी वाकई में इस्लामिक स्टेट के ही हैं या आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन की कोई नई साजिश और पैंतरेबाजी है। इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि हिजबुल मुजाहिदीन इस्लामिक स्टेट की आड़ में अपना कोई नया संगठन खड़ा कर रहा हो ताकि उसकी तरफ जांच एजेंसियों की ध्यान न जाए। ध्यान रखना होगा कि हिजबुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के बीच प्रभाव में वृद्धि को लेकर प्रतिद्वंद्विता चरम पर है और दोनों ही संगठन अधिक से अधिक आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देकर एक-दूसरे पर बढ़त बनाने की फिराक में हैं। हिजबुल का पूरा जोर भटके हुए नौजवानों को अपने संगठन में शामिल करना है। देखा जा रहा है कि वह इस मिशन को कामयाब बनाने के लिए पूरी ताकत से लगा है। याद होगा जनवरी 2018 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का स्कॉलर मुनान वशीर वानी हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल हुआ। गत अप्रैल माह में दक्षिण कश्मीर से लापता हुआ सेना का एक जवान भी हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल हुआ। हाल ही में असम में तैनात एक आईपीएस अधिकारी का भाई भी इस संगठन का सदस्य बना। उसकी फोटो कश्मीर में वायरल हुई जिसमें वह एके-47 लिए खड़ा है। गौर करें तो कानपुर में गिरफ्तार कमरुज्जमा की भी अप्रैल में एके-47 के साथ एक तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।

जांच एजेंसियों को यह भी ध्यान देना होगा कि गिरफ्तार हुए आतंकियों का संबंध सिमी से तो नहीं हैं। ऐसा इसलिए कि आज की तारीख में सिमी का इंडियन मुजाहिदीन में रुपांतरण हो चुका है और संपर्क इस्लामिक स्टेट से है। गत वर्ष लखनऊ में मुठभेड़ में मारा गया सैफुल्लाह उसी कड़ी का एक हिस्सा था। यहां ध्यान देने वाली बात यह भी है कि देश की राजधानी दिल्ली और यूपी में भारी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए मौजूद हैं। इनमें हूजी, जतातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश, द जाग्रत मुस्लिम जनता बांग्लादेश, बांग्लादेश कम्युनिस्ट पार्टी व इस्लामी छात्र शिविर जैसे संगठनों के सदस्य भी शामिल हैं। इन पर निगाहबानी तेज करनी होगी। याद होगा अभी गत वर्ष ही अगस्त में यूपी एटीएस ने मुजफ्फरनगर से बांग्लादेशी आतंकी को गिरफ्तार किया था जिसका संबंध वहां के संगठन 'अन्सारुल्ला बांग्ला टीम' से जुड़ा पाया गया। गौरतलब है कि इन बांग्लादेशी घुसपैठियों पर आतंकी संगठन आईएस, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन की पैनी नजर है। ध्यान देना होगा कि इस्लामिक स्टेट भले ही भारत में किसी भीषण वारदात को अंजाम देने में विफल रहा हो लेकिन वह अपनी खतरनाक विचारधारा का जहर केरल से लेकर उत्तर प्रदेश तक फैलाने में कामयाब रहा है। आज से चार वर्ष पहले जब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने इस्लामिक स्टेट समर्थक मुंबई के दो युवकों को गिरफ्तार किया तो कहा गया कि वे बहकावे में आकर आकर्षित हुए हैं। लेकिन जब राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने हैदराबाद षडयंत्र का खुलासा किया तो भान हुआ कि इस्लामिक स्टेट भारत के पढ़े-लिखे युवाओं को तेजी से भ्रमित कर रहा है।

गौरतलब है कि उस दौरान युवा इंजीनियर मोहम्मद इब्राहिम याजदानी की गिरफ्तारी हुई जो कि युवाओं को इस्लामिक स्टेट में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहा था। गौर करें तो पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, गुजरात, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगाना और आंध्रप्रदेश सरीखे राज्यों से दर्जनों इस्लामिक स्टेट के समर्थकों की गिरफ्तारी हुई है। तेलंगाना पुलिस अरसे से भारत में इस्लामिक स्टेट के आतंकियों पर नजर रखे है। याद होगा तेलंगाना एटीएस की सूचनाओं के आधार पर ही गत वर्ष रेल विस्फोट के जिम्मेदार आरोपियों को दबोचा जा सका। इसी तरह केरल पुलिस भी इस्लामिक स्टेट के प्रभाव में आने वाले युवाओं पर नजर रखी हुई है। ध्यान देना होगा कि इन दोनों राज्यों से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर ही पुलिस मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में पसरे खुरसान मॉड्यूल के आतंकियों तक पहुंच सकी। यह तथ्य भी सामने आ चुका है कि भारत के कई इस्लामिक स्टेट समर्थक युवा सीरिया और इराक की जंग में मारे जा चुके हैं। अब वक्त आ गया है कि भारत की सुरक्षा व खुफिया एजेंसियां आतंकी गतिविधियों में लिप्त लोगों को, जिनकी मदद से इस्लामिक स्टेट भारत में अपना पांव पसारने की फिराक में है, उनसे सख्ती से निपटें और उनकी कमर तोड़ें। ऐसा इसलिए कि आतंक के कैंसर को खत्म करने के लिए उसकी विचारधारा के कीड़े को मारना बेहद आवश्यक है।

अरविंद जयतिलक
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

सुखद है हसीना की वापसी

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी की फिर से सत्ता में वापसी हुई है। हसीना का फिर से सत्ता पर काबिज होना भारत के लिए बेहद जरूरी था। अब न सिर्फ आतंकवाद पर लगाम कसेगी, बल्कि पूर्वोत्तर में भारत अपना विकास एजेंडा भी स्थापित कर सकेगा।

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने रविवार को हुए आम चुनाव में लगातार तीसरी बार शानदार जीत दर्ज की है। नतीजों को खारिज करते हुए विपक्षी गठबंधन ने नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। इससे पहले मतदान के दौरान विभिन्न हिस्सों में चुनाव से जुड़ी हिंसा में कम से कम 17 लोग मारे गए। सत्तारूढ़ अवामी लीग के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने 266 सीटें जीतीं जबकि उसकी सहयोगी जातीय पार्टी ने 21 सीटें हासिल कीं। विपक्षी नेशनल यूनिटी फ्रंट (यूएनएफ) को सिर्फ सात सीटों पर जीत मिली। शेख हसीना के लिए यह जीत इसलिए बड़ी है क्योंकि बांग्लादेश में हुए चुनाव को उनके लिए बड़ी चुनौती करार दिया जा रहा था। इस चुनाव पर भारत के साथ कई देशों की नजर टिकी थी। चुनाव ऐसे समय पर हुए हैं, जब अफगानिस्तान से अमेरिकी सेनाओं की वापसी का ऐलान राष्ट्रपति ट्रंप कर चुके हैं। भारत के लिए तालिबान समर्थित आतंकवाद से मुकाबला कड़ा है तो वहीं जम्मू कश्मीर के हालात भी कम चिंताजनक नहीं हैं। नॉर्थ ईस्ट में साल 2014 के बाद से काफी तेज हो गई हैं। भारत की पूर्वी सीमा पर भी अब आतंकवाद का खतरा बढ़ता जा रहा है। इन सबके बीच अगर बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन होता, तो मुश्किलें और बढ़ सकती थीं अब जबकि कमान हसीना के हाथ में ही है, तो भारत कुछ सुकून भरी सांस ले सकता है। 2009 में शेख हसीना ने बांग्लादेश की कमान संभाली थी। तब से ही नॉर्थ ईस्ट में आतंकी ताकतों में कमी आई थी। शेख हसीना ने बांग्लादेश की सरजमीं पर मौजूद आतंकी ताकतों के खिलाफ कार्रवाई की और इसका असर पूर्वी बॉर्डर पर भी देखने को मिला। आज उल्फा और ऐसे आतंकी संगठनों के नेताओं को दबोचा जा सका है और हसीना के आदेश के बाद उन्हें भारत को सौंपा गया था। त्रिपुरा और मेघालय जैसे राज्यों में भी हसीना की कार्रवाई की वजह से कुछ शांति है। कहा जा रहा है कि उल्फा का परेश बरूआ जो इन दिनों चीन-बर्मा के बॉर्डर पर कहीं छिपा है, हसीना के सत्ता से जाने का इंतजार कर रहा था। बांग्लादेश में बरूआ को मौत की सजा मिली हुई है। बरूआ साल 2004 में चिंटगांव आर्म्स केस में दोषी पाया गया था। मौत की सजा का फरमान हसीना के सत्ता में आने के बाद सुनाया गया था। हसीना के सत्ता गंवाने से नॉर्थ ईस्ट की स्थिति पर खासा असर पड़ सकता था। पिछले कुछ वर्षों से पाक की इंटेलीजेंस एजेंसी आईएसआई के कई बड़े नेता ढाका में मौजूद हैं। पीएम मोदी के लिए यह सबसे बड़ी चिंता का विषय है और ऐसे में हसीना का सत्ता में रहना भारत के लिए खासा जरूरी है। न सिर्फ सुरक्षा बल्कि शेख हसीना कई और वजहों से भारत के लिए जरूरी हैं। उनके कार्यकाल में ही भारत की कनेक्टिविटी की जरूरतों को पूरा किया जा सका। भारत, बांग्लादेश के बंदरगाहों का प्रयोग कर सकता है। ढाका की जमीन को नॉर्थ ईस्ट के लिए प्रयोग करने की मंजूरी भारत की बड़ी सफलता है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की सुध जरूरी

यह स्वागतयोग्य है कि मोदी सरकार ने वर्ष 2025 तक स्वास्थ्य क्षेत्र में खर्च को बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। इसका ऐलान स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में आयोजित 'नारी शक्ति, युवा शक्ति का कल्याण' विषय पर 'पार्टनर फोरम' सम्मेलन को संबोधित करते हुए की। गौरतलब है कि अभी तक स्वास्थ्य सेवाओं पर देश का खर्च सकल घरेलू उत्पाद का महज 1.15 प्रतिशत ही है। किंतु अच्छी बात यह है केंद्र सरकार देश में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर संवेदनशील है और उसी का परिणाम है कि वृहद टीकाकरण कार्यक्रम के तहत तीन वर्षों में मिशन इंद्रधनुष के तहत देश में 3.28 करोड़ बच्चों और 84 लाख गर्भवती महिलाओं तक पहुंच बनी है। अब चूंकि स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च बढ़ेगा ऐसे में यह उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत को स्वस्थ बनाने में कामयाबी मिलेगी।

मोदी सरकार ने 2025 तक स्वास्थ्य क्षेत्र में खर्च को बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। सरकार का यह फैसला उम्दा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में खर्च को लेकर भारत दुनिया के ही नहीं पड़ोसी देशों चीन, बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान से भी पीछे है। अब चूंकि स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च बढ़ेगा ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत को स्वस्थ बनाने में कामयाबी मिलेगी।

यह किसी से छिपा नहीं है कि स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में भारत अपने पड़ोसी देशों मसलन चीन, बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान से भी पीछे है और बेहतर इलाज न मिलने से यहां प्रति एक लाख लोगों में 122 लोग मौत के मुंह में जाते हैं, जबकि पड़ोसी देश चीन में यह आंकड़ा 46 है। श्रीलंका में 51, बांग्लादेश में 57, नेपाल में 93 और पाकिस्तान में 119 है। गौर करें तो खराब इलाज से मृतकों में भारत ब्रिक्स देशों में सबसे आगे है। आंकड़ों पर गौर करें तो देश में सालाना होने वाली कुल मौतों में से छह प्रतिशत लोगों की मौत कैंसर से होती है। यह दुनिया भर में कैंसर से होने वाली कुल मौतों का आठ प्रतिशत है। कैंसर की वजह से देश में हर रोज 1300 मौतें होती हैं। कैंसर की तरह मधुमेह भी भारत के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। भारत में छह करोड़ से अधिक लोग मधुमेह से पीडित हैं। हर वर्ष तकरीबन 15 लाख लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं।

इसी तरह भारत की आधी से अधिक आबादी सांस संबंधी रोगों और फेफड़ों से जुड़ी शिकायतों से ग्रस्त है। प्रतिदिन करीब साढ़े तीन करोड़ लोग डॉक्टरों के पास स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों के निदान के लिए जाते हैं। इस तरह भारत विश्व की सर्वाधिक बीमारियों का बोझ उठाने वाले देशों में शुमार हो चुका है। आंकड़ों के मुताबिक विश्व की कुल 7.3 अरब की जनसंख्या के मुकाबले भारत की 1.2 अरब की आबादी में सालाना विश्व भर में होने वाली मौतों का 18 प्रतिशत मौतें भारत में होती है। जनवरी 2015 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट से उद्घाटित हो चुका है कि विश्व में गैर संक्रामक रोगों से मरने वाले लोगों की तादात लगातार बढ़ रही है और उसमें भारत की स्थिति बेहद नाजुक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में हर वर्ष 1.6 करोड़ लोग कैंसर, मधुमेह और हृदयघात जैसे गैर संक्रामक रोगों की वजह से मर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में गैर संक्रामक रोगों से 30 से 70 साल के बीच मरने वाले लोगों की आशंका 26.1 से बढ़कर 26.2 प्रतिशत हो गया है। तुलनात्मक रूप से यह आंकड़ा दक्षिण एशिया और अफ्रीका के कुछ देशों की तुलना में बेहद खराब है। रिपोर्ट के मुताबिक पी-5 देशों (चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका) में केवल रूस की ही स्थिति (29.2 प्रतिशत के साथ) भारत से अधिक खराब है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने माना है कि गैर संक्रामक बीमारियों में कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग व सांस लेने में परेशानी संबंधी प्रमुख चार बीमारियां हैं। गैर संक्रामक रोगों की वजह से भारत ही नहीं विश्व की एक तिहाई आबादी भी मुश्किल में है। उसका कारण यह है कि इन बीमारियों से निपटने के लिए अभी तक कारगर कदम नहीं उठाए गए हैं। अच्छी बात यह है कि इस दिशा में पार्टनरशिप टू फाइट क्रॉनिक डिजीज (पीएँसीडी) ने हाल ही में संकल्प दिशा स्वस्थ भारत की नाम से एक राष्ट्रीय रूपरेखा तैयार की है। इसका उद्देश्य 2025 तक स्वस्थ भारत के संकल्प को हासिल करने में सहयोग देना है। चूंकि भारत में गैर संक्रामक रोगों से निपटने के लिए कोई ठोस नीति नहीं है लिहाजा ऐसे में इस ब्लू प्रिंट से राज्यों को स्वास्थ्य संबंधी मामलों को प्राथमिकता देने में मदद मिलेगी। अगर इसे जमीनी शक्ल दिया जाता है तो भारत में हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह और मस्तिष्क आघात से मरने वाले लोगों की संख्या कम होगी। हालांकि सरकार गैर संक्रामक रोगों से निपटने के लिए भारी धनराशि खर्च कर रही है लेकिन उसके परिणाम देखने को नहीं मिल रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि अगर इन बीमारियों पर शीघ्र ही नियंत्रण स्थापित नहीं किया गया तो यह बीमारी राष्ट्रीय आपदा का रूप ले सकती है और इससे निपटना आसान नहीं रह जाएगा।

सरकार की कोशिश यह है कि 30 वर्ष से ज्यादा उम्र के व्यक्तियों में गैर संचारी रोगों को लेकर ज्यादा से ज्यादा जागरूकता पैदा की जाए व व्यापक स्तर पर उनका शारीरिक परीक्षण कराया जाए। निःसंदेह यह एक सार्थक कदम होगा, लेकिन जानकर हैरानी होगी कि गत वर्ष केंद्र सरकार ने 30 वर्ष से अधिक सात करोड़ लोगों के परीक्षण की योजना बनाई लेकिन अभी तक उस दिशा में दो कदम भी आगे नहीं बढ़ा जा सका है। अगर इस योजना को आकार दिया जाए तो एक बड़ी आबादी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में मदद मिलेगी। भारत के महापंजीयक द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा जा चुका है कि देश के 35 से 64 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों में 42 फीसदी मौत की वजह गैर संक्रामक रोग है। अगर इन रोगों के लक्षणों को समझ लिया जाए तो इस पर नियंत्रण पाने में आसानी होगी। ऐसा माना जाता है कि गैर संक्रामक रोगों का जितना जल्दी इलाज शुरू होता है वह उतना ही लाभकारी होता है। सरकार को चाहिए कि वह गैर संक्रामक रोगों की दवाइयों की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण लगाए।

सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार के लिए शहरों के साथ-साथ गांवों पर ज्यादा फोकस बढ़ाना चाहिए। इसलिए कि गैर संक्रामक रोगों से मरने वालों की ज्यादा तादाद गांवों में है। गांवो में स्वास्थ्य सेवा का बुनियादी ढांचा चरमराया हुआ है। गांवों में स्थापित अस्पताल जर्जर हैं। न तो वहां डॉक्टर हैं और न दवाइयां। ऐसी स्थिति में भला रोगों से कैसे निपटा जा सकता है। विडंबना यह है कि गांव के लोगों को तब तक गैर संक्रामक रोगों के बारे में जानकारी नहीं होती जब तक कि वह उसकी चपेट में नहीं आ जाते हैं। जब तक उन्हें अपनी बीमारियों के बारे में जानकारी मिलती है तब तक वह गंभीर रूप धारण कर चुकी होती है। चूंकि गांवों में इन रोगों के इलाज की बेहतर सुविधा नहीं है लिहाजा उन्हें शहर की ओर रुख करना पड़ता है।

नशाखोरी विशेष रूप से तंबाकू व शराब के कारण भी बीमारियां बढ़ रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि तंबाकू के सेवन से प्रतिवर्ष 60 लाख लोगों की मौत होती है और तरह-तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ता है। स्वीडिश नेशनल हेल्थ एंड वेल्फेयर बोर्ड और ब्लूमबर्ग फिलांथ्रोपिज की रिसर्च से भी उद्घाटित हो चुका है कि धूम्रपान से हर वर्ष छह लाख से अधिक लोगों की मौत होती है। मरने वालों में करीब दो लाख से अधिक बच्चे और युवा होते हैं। अब शराब पर भी रोक लगाने की मांग तेज हो रही है। यह तथ्य है कि हर वर्ष हजारों लोगों की मौत शराब पीने और उससे उत्पन्न होने वाली बीमारियों की वजह से होती है। आज जरूरत इस बात की है कि सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं गंभीर बीमारियों से निपटने के लिए समन्वित रूप से असरकारक कार्यक्रम तैयार करे।

अरविंद कुमार सिंह
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

मालदीव और भूटान के बाद अब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन भारत के लिए सुखद संकेत लेकर आया है। हमें बदली परिस्थितियों का भरपूर लाभ लेना चाहिए।

पीके सहगल, रक्षा विशेषज्ञ

प्रधानमंत्री शेख हसीना को चुनाव जीतने के लिए बधाई। अब भारत और बांग्लादेश के बीच उन कामों को गति दी जाएगी, जिन्हें पूरा करने का संकल्प लिया गया है।

वीके सिंह, विदेश राज्य मंत्री

सत्यार्थ

अहंकार का जवाब

एक बार राजा भोज और माघ पंडित सैर करने को निकले, पर वे रास्ता भूल गए। रास्ते में उन्हें बूढ़ी महिला मिली। दोनों ने उसे प्रणाम कर पूछा- यह रास्ता कहां जाएगा? महिला ने उत्तर दिया-यह रास्ता तो यहीं रहेगा, इसके ऊपर चलने वाले जाएंगे। लेकिन तुम कौन हो? दोनों बोले-हम तो पथिक हैं। तब महिला बोली-पथिक तो दो ही हैं, एक सूर्य दूसरा चंद्रमा, तुम कौन से पथिक हो? माघ बोले- हम तो पाहुने हैं। महिला ने पूछा- पाहुने दो ही हैं, एक धन दूसरा यौवन, तुम कौन हो? भोज बोले-हम तो राजा हैं।

महिला बोली-राजा तो दो ही हैं, एक इंद्र दूसरा यमराज। तुम कौन हो? दोनों बोले- हम तो क्षमतावान हैं। भाई क्षमतावान तो दो ही हैं, पृथ्वी और स्त्री। तुम तो इनमें से नहीं दिखते, फिर तुम कौन हो? भोज बोले- हम साधु हैं। महिला ने कहा- साधु तो दो ही हैं, एक शील दूसरा संतोष। सच-सच कहो तुम कौन हो? माघ बोले-हम परदेशी हैं। महिला बोली- परदेशी दो ही हैं, जीव व पेड़ का पत्ता। तुम कौन हो? तब माघ बोले- अब क्या कहें, हम तो हारे हुए हैं। महिला बोली-देखो भाई, हारे हुए भी तो दो ही हैं, एक ऋण लेने वाला और दूसरा बेटी का बाप। तुम कौन हो? अंत में उन्होंने हारकर उस बुद्धिमान महिला से कहा- अब क्या बताएं, हम तो कुछ नहीं जानते। सच यह है कि सब कुछ जानने वाली तू ही है। अब कुछ गंभीर होकर महिला बोली- तुम दोनों को अपनी विद्वता और ऐश्वर्य का बड़ा घमंड हो गया था। मुझे पता था कि तुम हो राजा भोज और यह है माघ पंडित। रास्ता इस तरफ है, मगर भविष्य में कभी अहंकार मत करना। अहंकार टूटते ही दोनों ने उस बुजुर्ग महिला से क्षमा मांगकर अपनी गलती स्वीकारी। प्रण किया कि वे खुद को विशिष्ट नहीं मानेंगे।

राधा नाचीज

सार समाचार

पाकिस्तानी जेलों में बंद हैं 537 भारतीय कैदी: पाक विदेश मंत्रालय

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने जेलों में बंद 537 भारतीय कैदियों की सूची एक द्विपक्षीय समझौते के प्रावधानों के तहत भारत के साथ मंगलवार को साझा की। विदेश मंत्रालय ने यहां एक बयान में बताया कि इन कैदियों में 483 मछुआरे और 54 अन्य लोग हैं। बयान में कहा गया, 'पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद स्थित भारत के उच्चायोग को आज (मंगलवार को) 537 भारतीय कैदियों (483 मछुआरे और 54 अन्य कैदी) की सूची सौंपी।' बयान में कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच 21 मई, 2008 को हुए राजनयिक पहुंच संबंधी समझौते के तहत यह कदम उठाया गया। समझौते के तहत दोनों देशों को हिरासत में मौजूद कैदियों की सूची एक साल में दो बार- एक जनवरी और एक जुलाई को एक दूसरे के साथ साझा करनी होती है। उसमें कहा गया है कि भारत सरकार भी नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग को भारत में बंद उसके कैदियों की सूची सौंपेगी। दोनों देश बार बार तनाव के बावजूद कैदियों की सूची साझा करने की परंपरा का पालन करते रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच जटिल संबंधों को समग्र वार्ता प्रक्रिया के जरिए सुधारने की कोशिश के तहत यह समझौता किया गया था जो स्थायी विश्वास बहाली के सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है।

हाई अलर्ट पर एम्सटर्डम हवाई अड्डा! बम होने का जताया गया खतरा

दी हेग। डच मिलिट्री पुलिस ने बम होने की आशंका के चलते सोमवार शाम कुछ देर के लिए एम्सटर्डम के 'शिपोल हवाई अड्डे' के प्रस्थान बिन्दु को खाली कराया। पुलिस ने ट्वीट किया कि अधिकारियों ने संदिग्ध को पकड़ लिया है और तुरन्त ही प्रस्थान बिन्दु खाली करने का आदेश वापस ले लिया गया। मिलिट्री पुलिस के अनुसार संदिग्ध 51 वर्षीय एक कनाडाई नागरिक है, उससे पूछताछ की जा रही है। नीदरलैंड की पुलिस ने संदिग्ध की पहचान उजागर नहीं की है। उन्होंने बताया कि 'शिपोल हवाई अड्डे' से कोई विस्फोटक नहीं मिला है।

2020 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अपनी दावेदारी पेश करेंगी एलिजाबेथ वॉरेन

वाशिंगटन। अमेरिका में सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने सोमवार को राष्ट्रपति पद के लिए खोज समिति बनाने का ऐलान किया, जिससे 2020 का चुनाव लड़ने की इच्छा जताने वाली वह डेमोक्रेटिक पार्टी की पहली नेता बन गईं। वॉरेन (69) नवंबर में हुए मध्यावधि चुनाव में मैसाचुसेट्स से पुन- निर्वाचित हुई हैं। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कटु आलोचक के तौर पर जानी जाती हैं। उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राथमिक चुनावों में अपने पार्टी सहयोगियों से मुकाबला करना है। यह चुनाव 2020 के शुरू में होंगे। कैलिफॉर्निया से भारतीय मूल की अमेरिकी सीनेटर कमला हैरिस और कांग्रेस में हवाई से हिन्दू महिला सदस्य तुलसी गब्बार्ड डेमोक्रेटिक पार्टी के उन नेताओं में शुमार हैं जिन्हें ट्रंप को चुनौती देने के लिए संभावित उम्मीदवार के तौर पर देखा जा रहा है। हार्वर्ड की पूर्व प्रोफेसर वॉरेन ने नव वर्ष पर एक वीडियो संदेश के जरिए राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी के बारे में ऐलान किया है।

उम्मीदें 2019: ब्रेग्जिट के बाद भारतीयों के लिए ब्रिटेन में मौके बढ़ेंगे

ब्रिटेन (एजेंसी)।

हाल में ब्यूनस आयर्स में संपन्न जी-20 देशों की बैठक से इतर ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच हुई शांति वार्ता से पूरी दुनिया ने राहत की सांस ली। उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच शुल्क दरों को लेकर छिड़ी जंग इस साल खत्म हो जाएगी।

'ब्रेग्जिट करार के तहत ब्रिटेन 29 मार्च तक यूरोपीय संघ से अलग होगा। ब्रिटेन को यूरोपीय संघ के 39 अरब पाउंड चुकाने पड़े थे। इस करार में ब्रिटेन के लिए आयरलैंड के साथ सीमा मुद्दा भी बड़ी चिंता है।

'ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से हटने के बाद दुनिया के व्यापार में ईयू का हिस्सा 22 से घटकर 18.2त्न हो जाएगा। इसकी अर्थव्यवस्था 17/ छोटी हो जाएगी। ईयू के जीडीपी में फ्रांस का हिस्सा 18/ हो जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति और दक्षिण कोरिया के प्रयास के बाद उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग अपने यहां परमाणु हथियारों से मुक्ती पर सहमत हुए हैं। उम्मीद है कि 2019 में उत्तर कोरिया परमाणु हथियार खत्म कर देगा।

ब्रिटेन मार्च में यूरोपीय संघ से अलग होगा। ऐसे में ब्रेग्जिट के बाद भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए मौके बढ़ेंगे। यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद ब्रिटेन में व्यक्ति का कौशल महत्वपूर्ण होगा, न कि वे किस देश से आते हैं। इसके साथ ही भारतीयों को भी यूरोपीय नागरिकों के बराबर माना जाएगा। .

इमरान खान-

पाकिस्तान के लिए 2019 में आर्थिक संकट से उबरना बड़ी चुनौती होगी। पाक के सामने कर्ज में डूबी अर्थव्यवस्था को बचाना बड़ी बाधा है। .

इब्राहीम मोहम्मद-

मालदीव में भारत समर्थक इब्राहीम मोहम्मद सोलिह के राष्ट्रपति बनने से काफी उम्मीदें हैं। सोलिह से उम्मीद है कि वह चीनी परियोजनाओं को भी बंद करेंगे।

रानिल विक्रमसिंघे-

श्रीलंका के प्रधानमंत्री पद पर वापस लौटने वाले रानिल विक्रमसिंघे के लिए राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना के साथ सामंजस्य बैठाना एक चुनौती होगा।

इमरान ने नववर्ष की दी बधाई, कहा- पाकिस्तान के लिए स्वर्ण काल की है शुरुआत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए इसे पाकिस्तान के लिए स्वर्ण काल की शुरूआत बताया और 2019 में गरीबी, अशिक्षा, अन्याय और भ्रष्टाचार से निपटने का संकल्प लिया। खान ने सोशल नेटवर्किंग साइट ट्विटर पर लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए लोगों के साथ अपने नववर्ष के संकल्प को साझा किया।

उन्होंने लिखा, 'हमारा नए साल का संकल्प हमारे देश की चार बीमारियों के खिलाफ जिहाद छेड़ना है- गरीबी, अशिक्षा, अन्याय और भ्रष्टाचार।' खान ने लिखा कि इंशाअल्लाह 2019 पाकिस्तान के लिए स्वर्ण काल की शुरूआत होगा। उनकी सरकार ने नववर्ष के तोहफे के तौर पर पेट्रोल और डीजल की कीमत कम की। पेट्रोल का दाम 4.86 रुपए प्रति लीटर घटा 90.97 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया। वहीं डीजल की कीमत 4.26 रुपए प्रति लीटर कम कर 196.68 रुपए प्रति लीटर कर दी गई।

बांग्लादेश में नवनिर्वाचित सांसद तीन जनवरी को लेंगे शपथ, बीएनपी करेगी बहिष्कार

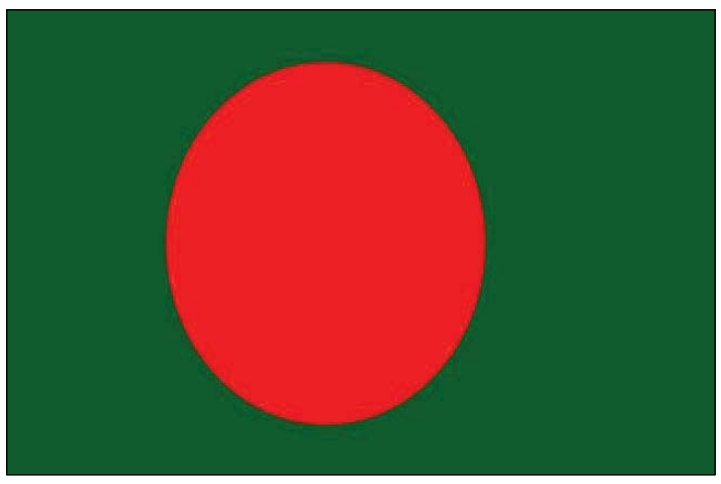

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नवनिर्वाचित सांसद शपथ नहीं लेंगे क्योंकि पार्टी ने चुनाव परिणामों को खारिज किया है। यह घोषणा बीएनपी ने मंगलवार को की जिसकी प्रमुख खालिदा जिया जेल में बंद हैं। बीएनपी की ओर से यह घोषणा सरकार के इस ऐलान के कुछ घंटे बाद आयी कि नवनिर्वाचित सांसद तीन जनवरी को शपथ लेंगे। बीएनपी ने चुनाव परिणामों को ''ढोंग'' बताते हुए खारिज कर दिया था और फिर से चुनाव कराने की मांग की थी। बीएनपी को 300 सदस्यीय संसद में पांच सीटें मिली हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ताधारी गठबंधन ने 11वें आम चुनावों में प्रचंड जीत दर्ज करके लगातार तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित कर लिया है।

बीएनपी और कुछ छोटे दलों वाले विपक्षी गठबंधन ने चुनाव आयोग की आलोचना की और उसके प्रमुख पर पक्षपाती होने का आरोप लगाया। चुनाव आयोग ने यद्यपि फिर से चुनाव कराने की मांग खारिज कर दी। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, सूचना मंत्री हसनुल हक इनू ने कहा कि नवनिर्वाचित सांसद तीन जनवरी (बृहस्पतिवार) को शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि राजपत्र अधिसूचना बुधवार को जारी की जाएगी। डेली स्टार की खबर के अनुसार, बीएनपी ने चुनाव में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के निर्वाचित सांसद शपथ नहीं लेंगे क्योंकि उन्होंने परिणामों को पहले ही खारिज कर दिया है। उसने कहा कि पार्टी ने यह निर्णय सैद्धांतिक रूप से अध्यक्ष के गुलशन कार्यालय में आयोजित पार्टी की स्थायी समिति की एक बैठक में लिया

बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा, ''हमने चुनाव परिणामों को खारिज कर दिया है। हम अपना विधिक संघर्ष और अन्य कदम उठाना जारी रखेंगे।'' बीएनपी की सहयोगी गोनोफोरम ने दो सीटें जीती हैं। गोनोफोरम प्रमुख कमाल हुसैन ने कहा, ''प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में अवामी लीग और उसके वफादार चुनाव आयोग ने दुनिया को दिखाया है कि एक स्वतंत्र एवं संप्रभु देश की चुनावी प्रणाली को कैसे नष्ट किया जाता है।'' फखरुल ने मुख्य चुनाव आयुक्त के एम नुरुल हुदा पर सबसे पक्षपाती व्यक्ति होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी मतदान में धांधली के सभी सबूत एकत्रित कर रही है और फिर ''हम अपने गठबंधन सहयोगियों से बात करने के बाद आगे बढ़ेंगे।''

किम ने दी धमकी, उत्तर कोरिया अपने रुख को बदलने पर कर सकता है विचार

मास्को (एजेंसी)।

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा है कि उनका देश अमेरिका से अच्छे रिश्ते रखना चाहता है लेकिन यदि वाशिंगटन प्रतिबंध जारी रखेगा तो प्योंगयांग अपना रुख बदलने पर विचार कर सकता है। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक पहल की शुरूआत होने के 12 महीने बाद किम ने मंगलवार को अपने नववर्ष संबोधन में यह बात कही। किम ने कहा, ''अमेरिका ने अगर दुनिया के सामने किए अपने वादों को पूरा नहीं किया और हमारे देश के खिलाफ प्रतिबंध और दबाव बढ़ाता रहा तो हमारे पास अपनी संप्रभुता एवं हितों की रक्षा करने के लिए कोई नया रास्ता खोजने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाएगा।''

सिंगापुर में पिछले साल जून में शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरिया के नेता ने कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। लेकिन, वाशिंगटन और प्योंगयांग के बीच उसके वास्तविक अर्थ को लेकर चल रही बहस के कारण इस पर प्रगति नहीं हुई है। किम ने कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फिर से मुलाकात को तैयार हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा स्वीकार्य नतीजे निकालने के पूरे प्रयास करेंगे।।उत्तर कोरिया प्रतिबंध से ढील देने की मांग कर रहा है और परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए उसपर जोर देने की आलोचना करते हुए इसे ''माफिया जैसा कृत्य'' बताया है। जबकि, अमेरिका उत्तर कोरिया के पूरी तरह परमाणु निरस्त्रीकरण पर जोर दे रहा है। दक्षिण कोरिया के पूर्व उप एकीकरण मंत्री किम ह्यूंग सोक ने कहा कि किम का संबोधन उनकी हताशा को दिखाता है और समझौते पर अभी तक कुछ भी प्रगति नहीं हुयी है। ।उत्तर कोरिया पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों के कई प्रतिबंध लगे हैं, जिससे परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल हथियारों के कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाया गया है। सियोल और वाशिंगटन के बीच एक सुरक्षा संधि है और अमेरिका ने दक्षिण कोरिया को पड़ोसी देश से सुरक्षा प्रदान करने के लिए अपने 28,500 सैनिक वहां तैनात कर रखे हैं। किम के बयान पर सोल के एकीकरण मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''हम कोरियाई प्रायद्वीप में पूरी तरह परमाणु निरस्त्रीकरण और स्थायी शांति तथा उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया के रिश्ते में बेहतरी के लिए किम की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं।''

अमेरिकी सेना ने किया 'अनुचित' ट्वीट, फिर मांगी माफी

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका की स्ट्रैटेजिक कमांड ने नववर्ष के अवसर पर टाइम्स स्क्वायर पर पारंपरिक क्रिस्टल बॉल से भी बड़ा कुछ गिराने के लिए तैयार होने संबंधी अपने 'अनुचित' मजाक को लेकर सोमवार को माफी मांगी. सेना ने ट्वीट करके कहा था कि वह नववर्ष में टाइम्स स्क्वायर पर पारंपरिक क्रिस्टल बॉल के बजाए 'इससे भी बहुत बड़ा' कुछ गिराने के लिए तैयार है. अमेरिकी परमाणु आयुधशाला का नियंत्रण देखने वाले सैन्य बल ने ट्विटर पर एक वीडियो जारी किया था जिसमें बी-2 बमवर्षक बम गिरा रहा था. इस वीडियो के साथ संदेश लिखा गया था कि यदि कभी आवश्यकता पड़ी, तो हम इससे कुछ बहुत, बहुत बड़ा भी गिराने के लिए तैयार हैं. इस संदेश को बाद में डिलीट कर दिया गया था. उल्लेखनीय है कि 'स्ट्रैटेजिक कमांड' का नारा है- 'शांति हमारा पेशा है.' सोशल मीडिया पर इस ट्वीट को लेकर आलोचनाओं का शिकार होने के बाद उसे डिलीट कर दिया गया था. सैन्य बल ने ट्वीट के जरिए माफी मांगी. सैन्य बल ने कहा कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर हमारा पहले किया गया ट्वीट उचित नहीं था और यह हमारे मूल्यों को प्रतिबिंबित नहीं करता. हम माफी मांगते हैं.

भ्रष्टाचार मामले में बोले नेतन्याहू, आरोप तय होने के बावजूद नहीं दूंगा इस्तीफा

यरुशलम (एजेंसी)।

इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में उनके खिलाफ आरोप तय होने की स्थिति में भी वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। नेतन्याहू ने कहा कि वह चुनावों से पहले महाधिवक्ता के सामने सुनवाई के लिए बुलाए जाने के दौरान'' इस्तीफा नहीं देंगे। औपचारिक रूप से आरोप लगाए जाने से पहले यह सुनवाई एक आवश्यक कदम है।

आधिकारिक दौरे के लिए ब्राजील के रियो डी जैनेरो में मौजूद नेतन्याहू ने ऑनलाइन प्रसारित किए जा रहे संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मेरा इस्तीफा देने का कोई इरादा नहीं है। इसका पहला कारण यह है कि (जांच से) कुछ भी साबित नहीं होने वाला और दूसरा कारण यह है कि मैं कानून के तहत ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं हूं।' इज़राइल में नौ अप्रैल को आम चुनाव होने हैं।

नेतन्याहू के खिलाफ यदि कथित भ्रष्टाचार के तीन में से किसी भी मामले में आरोप तय हो जाते हैं तो भी वह इस्तीफा देने के लिए बाध्य नहीं होंगे, लेकिन उन पर ऐसा करने के लिए राजनीतिक दबाव बहुत होगा।

पाकिस्तान में भारतीय राजनयिकों का उत्पीड़न जारी, आवास की 4 घंटे बिजली काटी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों के उत्पीड़न की एक और नई घटना सामने आई है. इस बार द्वितीय सचिव के आवास पर पावर 4 घंटे बिजली काटी गई. बिजली कटौती क्रिसमस पर सुबह 7 बजे से लेकर 10 बजे तक के लिए की गई. इससे उनके बच्चों समेत परिवार के सभी सदस्यों को बहुत परेशानी हुई. यह पहला मौका है जब भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों के परिवार प्रभावित हुए. इस समय में पाकिस्तान में कड़ाके की ठंड है और ऐसे में समय में बिजली कटौती से उच्चायोग के अधिकारियों के परिवारों को किस तकलीफ से गुजरना पड़ा, आप उसका सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं.

पावर कट के मुद्दे को पाकिस्तान के जल एवं विद्युत विकास प्राधिकरण (डब्ल्यूएपीडीए) के सामने उठाया गया. डब्ल्यूएपीडीए पाकिस्तान सरकार के अधीन काम करने वाली एजेंसी है जो जल और बिजली का वितरण संभालती है. भारतीय अधिकारियों ने फोन पर डब्ल्यूएपीडीए में शिकायत भी दर्ज कराई. भारत ने पाकिस्तान को बीते 27 दिसंबर को एक और नोट जारी किया है. इससे पहले 21 दिसंबर को नोट जारी किया गया था.

भारत ने पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से संबंधित प्राधिकरण को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि फिर इस तरह की घटनाएं न हों. इस माह में यह पहला मौका है जब भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों के आवस की बिजली काटी गई.

भारतीय अधिकारियों के उत्पीड़न की यह तीसरी घटना है. 10 दिसंबर को कुछ अज्ञात लोगों ने भारतीय अधिकारियों के आवास पर घुसने की कोशिश की थी. 21 दिसंबर को भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों से रोड पर आधा घंटे तक पूछताछ की गई. भारतीय अधिकारी किस्सा ख्वानी बाजार और उसके आसपास के होटल से लौट रहे थे, तब पाकिस्तान की एजेंसी के 2 अधिकारियों ने उनकी गाड़िया रुकवाकर पूछताछ की. इसके अलावा, पाकिस्तान ने भारतीय उच्चायोग की नई रिहायशी इमारत को गैस कनेक्शन मुहैया नहीं कराया.

वेटिकन के प्रवक्ता और उपप्रवक्ता ने इस्तीफा दिया, कारण स्पष्ट नहीं

वेटिकन सिटी (एजेंसी)।

वेटिकन ने सोमवार को अपने प्रवक्ता और उपप्रवक्ता के त्यागपत्र दिए जाने की घोषणा की। दोनों के इस्तीफे के पीछे कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। वेटिकन ने एक बयान में कहा कि पोप फ्रांसिस ने 'वेटिकन के प्रेस कार्यालय के निदेशक ग्रेग बुर्के और उपनिदेशक पालोमा गार्सिया ओवेजेरो का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है और एलेसेंड्रो गिसोटी को कार्यवाहक निदेशक नामित किया है।' अमेरिकी नागरिक बुर्के की नियुक्ति जुलाई 2016 में की गई थी। उन्होंने इससे पहले रोम में साप्ताहिक समाचारपत्र नेशनल कैथोलिक रिपोर्टर, टाइम पत्रिका और अमेरिकी टीवी चैनल फॉक्स न्यूज के लिए बतौर पत्रकार काम किया था। स्पेन की रहने वाली 43 वर्षीय गार्सिया ओवेजेरो प्रेस कार्यालय में नंबर दो का पद संभालने वाली पहली महिला थीं। इससे पहले वह स्पेन के रेडियो चैनल कैडेना कोप में वेटिकन की संवाददाता के तौर पर काम कर चुकी हैं।

सूरत में नए साल की पूर्व संध्या पर दारू की महफिल सजाते 70 लोगों की धर पकड़

सूरत। नए वर्ष की पूर्व संध्या पर 31 दिसंबर की रात दारू की महफिल सजा कर मौज मस्ती कर रहे 77 लोगों को पुलिस में काबू में किया है।

मैं वर्ष की पूर्व संध्या पर 31 दिसंबर की रात शहर पुलिस में प्रोहिबिशन एक्ट अंतर्गत 78 मामले दर्ज किए थे जिसमें देसी दारू के 49 मामले पकड़े गए इसमें पुलिस ने 269 देसी दारू की बोतलें 490 लीटर नशीले रसायन तथा 9 लीटर ताड़ी को कब्जे में लेकर चकिया जबकि देसी तथा विदेशी दारू के मामले में कुल ?29080 के दारू पकड़े गए पुलिस ने इस मामले में 23 दारु पिए हुए लोगों सहित 77 आरोपियों की धर पकड़ कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है सूरत शहर पुलिस ने नव वर्ष की पूर्व संध्या पर पूरे दिन दारू बंदी कानून के तहत 78 मामले दर्ज किए जिसमें से 77 आरोपियों की धरपकड़ की गई।

चिखली के फार्म हाउस में नए वर्ष की दारू पार्टी करते 24 लोग गिरफ्तार सूरत चिकली के नोगामा गांव स्थित 30 फॉर्म हाउस में थर्टी फर्स ?ट की जलसा करते दारू की महफिल सजा रहे पार्टी पर छापा मारकर पुलिस ने 24 लोगों को गिरफ्तार किया जिसमें ज्यादातर सूरत के युवक युवती पकड़े गए पकड़े गए सभी लोगों को जेल में डाल दिया

गया तथा वहां से 8 लग्जरियस कार जिनकी कीमत 55 लाख से अधिक 12 मोबाइल फोन इसकी कीमत लगभग 206000 तथा 6 बोतल बियर व्हिस्की की कीमत 19000 कुल मिलाकर 57 लाख 25 हजार का मुद्दा माल पुलिस ने जप्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है

पिपलोद के शौमय अपार्टमेंट में दारू की महफिल पर पुलिस का छापा

सूरत। थर्टी फर्सट की रात्रि दारू की महफिल जमा कर बैठी मंडली के ऊपर पुलिस में छापा मारकर 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उमरा पुलिस को जानकारी मिली थी की पिपलोद के सौम्य अपार्टमेंट में दारू की महफिल चल रही है रात्रि 11:00 बचकर 25 मिनट पर पीपलोद ताज होटल की गली में सौम्य अपार्टमेंट एक फ्लाइट नंबर 5 में छापा मारा गया इस फ्लैट में दारू की महफिल सजा कर बैठे करण विनय ठाकुर प्रेम जी जितेंद्र शाह जिगर प्रसाद भावेश बंगाली केतन पारेख दिव्यांग राज की धरपकड़ की गई ।

आज से राज्य के सभी स्कूलों में मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध

सूरत। नए वर्ष 2019 के पहले दिन से ही गुजरात सरकार ने राज्य के अंदर संचालित सभी विद्यालयों में मोबाइल ले जाने पर रोक लगा दी है सोमवार की सुबह राज्य सरकार ने सभी विद्यालयों को अधिसूचना जारी कर इस निर्देश का पालन करने के लिए कहा साथ ही विद्यालय के संचालकों को निर्देश दिया गया है कि उनके विद्यालय में लैंडलाइन फोन अनिवार्य रूप से होनी चाहिए जिससे किसी कारणवश विद्यार्थियों के परिवार के साथ संपर्क करना हो तो संपर्क किया जा सके इस संदर्भ में मिली जानकारी अनुसार राज्य में संचालित सभी विद्यालयों में हाजिरी भरते समय जय भारत बोलने का निर्देश दिया गया है विद्यार्थियों को विद्यार्थियों को अगर मोबाइल के साथ विद्यालय में पाया जाता है तो उनके विरुद्ध विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया गया है इससे पहले भी सरकार द्वारा विद्यालयों में विद्यार्थियों के मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया था।

सूरत। विद्यार्थियों में दे भक्तिकी भावना जगाने के लिए अब विद्यार्थियों को बोलना हगा जय हिन्द जिसका अमल 1 जनवरी से आरंभ हो गया। शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। वहीं कांग्रेस ने इसकों बकवास बताते हुए कहा कि जबतक शिक्षा के स्तर को बेहत्तर नहीं किया जाता तो इससे कोई लाभ नहीं होगा। कांग्रेस ने इसे तुगलकी फरमान बताय।

गैस लाइन टूटने से घोड़ादरा लिंबायत क्षेत्र में हजारों लोगो के नव वष की सुबह बिगड़ी

सूरत। वष के पहले दिन ही मंगलवार को वडोदरा लिंबायत क्षेत्र में घरेलू गैस पाइपलाइन टूट जाने से लोगों के नए वर्ष की शुरुआत खराब हो गई गुजरात गैस कंपनी द्वारा घरेलू गैस सप्लाई बंद करने से साल के पहले दिन ही हजारों परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा लिंबायत के मीठी खाड़ी क्षेत्र में गुजरात गैस कंपनी की मुख्य पाइप लाइन में मंगलवार की सुबह लीकेज हो जाने से कंपनी के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंच गए और उन्होंने गैस की सप्लाई बंद कर दी नए वर्ष के पहले दिन लिंबायत विस्तार में गुजरात गैस के घरेलू गैस सप्लाई बंद होने से ग्राहकों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा सुबह के समय ठंडी के इस वातावरण में किचन में गैस की सप्लाई बंद हो जाने से महिलाओं को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा सुबह के समय नौकरी दनादन दे पर जाने वाले लोगों को चाय नाश्ता तक नहीं मिल पाई सुबह के समय स्कूल जाने वाले विद्यार्थी बिना नाश्ते के ही स्कूल जाने पर मजबूर हुए गैस की सप्लाई के संदर्भ में गुजरात गैस कंपनी कस्टमर केयर सेंटर संपर्क करने पर कोई फोन तक नहीं उठा रहा था गुजरात गैस कंपनी के अधिकारियों से मोबाइल पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया की मीठी खाड़ी के पास मुख्य पाइप लाइन में छेद हो जाने से पर्वत घोड़ादरा क्षेत्र की ओर जाने वाली सप्लाइको बंद कर दिया गया है जिसकी मरम्मत चल रही है पर्वत पाटिया से लिंबायत तक के क्षेत्र में लगभग 20000 ग्राम को को मुश्किलों का सामना करना पड़ा गैस कंपनी के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि मीठी खाड़ी के कैलाश नगर के पास गाड़ी के अंदर साढे 4 मीटर नीचे गुजरात गैस कंपनी की मुख्य लाइन डाली गई है नगर पालिका द्वारा खाड़ी किनारे रास्ता बनाया जा रहा है इस बीच गैस पाइपलाइन में छेद हो जाने।

भारतीय मैया ट्रस्ट हास्पीटल में युवक की मौत होने से मचा हंगामा

सूरत। शहर के संगरामपुरा स्थित के.पी. संघवी संचालित भारतीय मैया हास्पीटल में युवक मरीज की मृत्यु हो जाने पर परिनजों ने डाक्टरों की लापरवाही का आक्षेप लगाते हुए हंगामा शुरु कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही अठवा पुलिस ने मौके पर पहुंच कर हंगामा शांत कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पांडेसरा के सुखीनगर में रहने वाले कमलेश पाटील नामक युवक को सांस लेने में तकलीफ होने पर परिवार के लोगों ने भारतीय मैया अस्पताल में भर्ती कराया था। 31 दिसंबर की दोपहर हास्पीटल में दाखिल कमलेश पेटल की पहली जनवरी की सुबह मृत्यु हो गई। युवक के मौत की जानकारी मिलते ही युवक के सगे संबंधी हास्पीटल में एकत्रित होने लगे। परिजनों द्वारा डाक्टर की लापरवाही का आक्षेप लगाते हुए सगे संबंधियों ने हंगामा शुरु कर दिया। लोगों ने अस्पताल के चौकीदार को भी पीटा और हास्पीटल में जमकर तोड़ फोड़ की।

राजदोह मामले में अल्पेश कथिरिया के विरुद्ध सेशंस कोर्ट से नोटिस जारी

सूरत। राजद्रोह के मामले में हाल में जमानत पर छूटे अल्पेश कथिरिया की जमानत रद्द करने के लिए डीसीबी पुलिस द्वारा कोर्ट में अर्जी की गई है जिस पर सुनवाई 4 जनवरी को होनी है जबकि सेशंस कोर्ट ने आरोपी को कोर्ट के समक्ष हाजिर रहने की नोटिस जारी की है। मामला इस प्रकार है अमरोली पुलिस थाने में पूर्व डीसीबी मकरंद चौहान ने हार्दिक पटेल चिराग देसाई तथा विपुल देसाई के सामने राजद्रोह का मामला दर्ज कराई थी। जिसकी जाच सीआई दहिया कर रहे थे इस मामले में पुलिस में सभी आरोपियों की धर पकड़ कैलाशपुर जेल भेज दिया था उसके बाद पुलिस ने अल्पेश कथिरिया को साबरमती सेंट्रल जेल से ट्रांसफर वारंट द्वारा धर पकड़ कर सूरत कोर्ट में पेश किया था लालपुर जेल में बंद अल्पेश ने अदालत में जमानत पर टूट गए थे लाजपोर जेल में बंद अल्पेश में अदालत में जमानत के समय कायदा और व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ने का प्रयास किया जिस पर एसीपी परमाणु में उनके खिलाफ कई मामले दर्ज कर कोर्ट में उनकी जमानत रद्द करने की अर्जी लगाई जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने इस मामले को 4 जनवरी तक डाल दिया और अल्पेश को कोर्ट में हाजिर होने का हुक्म दिया।

सरथाणा में एंब्रायडरी डिजाइन कारीगर पर जानलेवा हमला

सूरत। पुलिस शिकायत वापस नहीं लेने वाले युवक के ऊपर जानलेवा हमला की कोशिश करने वाले के विरुद्ध सर थाना पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है सूरत के सर थाना पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार का पौधा प्रभु कृपा सोसाइटी में रहने वाले एंब्रायडरी डिजाइनिंग कलाकार रजनी भाई दिनेश भाई गोराडीह में आरोपी राहुल धर्मेश के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी जिसे वापस लेने के लिए दीपक उर्फ लादेन ने फरियादी के ऊपर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया सर थाना पुलिस ने हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा हमला करने वाले आरोपी की खोजबीन शुरू कर दी है

सचिन में पति ने चलती रिक्शा से पत्नी को धक्का दिया

सूरत। सचिन के दिपली गांव के पास रिक्शा चलाक ने अपनी पत्नी को चलती रिक्शा से धक्का देकर गिरा दिया। यू.पी का मूल निवासी शिवम का विवाह 2015 में शिनू के साथ हुआ था। जो पत्नी के पाथ पांडेसरा के भक्तिनगर में रहता है। शिवम रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पोषण कता था. 26 दिसंबर को वह अपनी पत्नी को लेकर मंदिर जा रहा था। रास्ते में शिवम ने अपनी पत्नी को यह कहते हुए कि रिक्शा में से कुद जा शिनू ने जब कूदने से इंकार कर दिया तो शिवम ने चलती रिक्शा से शिनू को धकेल दिया जिससे शिनू को गहरी चोटें आई। शिनू को उपचार के लिए सिविल हास्पीटल में दाखिल कराया गया है जहां पुलिस ने पूछताछ के बाद शिकायत दर्ज कर लिया है।

पतंगोत्सव पर चाइनीज धागे पर प्रतिबंध

सूरत। मकर संक्राति के महापर्व पर मनाये जाने वाले पतंगोत्सव में चाइनीज धागे के इस्तेमाल को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है।

चाईनीज धागों की चपेट में आकर घायल होने वाले लोगों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर इस तरह का प्रतिबंध हर साल प्रशासन द्वारा लगाया जाता है। चाइनीज धागे से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इसके इस्तेमाल पर रोक लगाई गई है। इसके अलावा सार्वजनिक जगहों सार्वजानिक मार्गों के आस पास पतंग उडाने की मनाही की गई है। सूरत जिला मजिस्ट्रेट डा. एम.डी मोडिया ने एक अधिसूचना जारी कर इसे सख्ती से पालन करने को कहा गया है। अधिसूचना की अवहेलना करने वालों पर सख्त कार्यवाई के निर्देश दिए गए है।

मोजमस्ती भरे माहौल के साथ नए साल-२०१९ का स्वागत

अहमदाबाद । गुलाबी ठंड के बीच अहमदाबादियों ने साल २०१८ को बिदाई देकर मोजमस्तीभरे माहौल के साथ नये साल का उत्साह के साथ स्वागत किया हैं । साल की आखरी रात को १२ बजे नये साल का आरंभ होने पर भारी हंगामे के साथ नये साल का स्वागत किया था । इस साल आतिशबाजी नही होने के कारण लोगों में निराशा देखनो की मिली । महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी का माहौल को भूलकर शानदार तरीके से २०१८ के आखरी दिन का उत्सव मनाया हैं । होटल, कल्ब से लेकर फार्म हाउस में जश्न का माहौल देखने मिला था । न्यूयर का उत्सव मनाने के लिए सीजी रोड़, वस्त्रापुर तालाब, कांकरिया लेक, फ्रन्ट समेत एसजी हाईवे पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे । खास तौर पर युवाओं में अनोखा उत्साह देखने मिला था। अधिकत्तर पार्टियों में रात के आठ बजे का समय होने के बावजूद रात के १० बजे पार्टियों में रंगत जमी थी ।

होटल-कल्ब में इस साल रंगबिरगी लाइट, धमाकेदार पार्टी, डान्स के बीच युवाओं को थर्टी फर्स्ट के आनंद में डूबे रहे थे । शहर की स्टार होटल में अरेबियन नाइट्स, अहमदाबाद ब्लुज, पींक लाइट, अरेबियन नाइट्स रेट्रो जैसी थीम पर आधारित पार्टी थीम रखते होटल के बेड रुम का पूरा लुक बदला हुआ देखने मिला था । खास तौर पर युवा कपल ने थीम आधारित पार्टियों की पसंदगी कर साल की आखरी रात का जश्न मनाया था । इस साल में पेश हुई लोकप्रिय फिल्म के सोन्ग का भी क्रेज देखने मिला था । लोकप्रिय गीतों का धमाकेदार संगीत पर युवाओं को डान्स करने मज बूर कर दिया था । युवाओं के साथ बड़ी उम्र के लोग भी पार्टियों में दिखाई दिए थे । होटलो में लाइव गजल और क्लासीकल म्युजिक का आनंद लेकर साल की आखरी रात को जश्न मनाया । होटल, कल्ब में सिर्फ डान्स, म्युजिक के साथ डिनर का भी आयोजन किया गया था ।

घोड़ादरा में मोबाइल टावर के स्पेयर पार्टस की चोरी

सूरत शहर के घोड़ादरा क्षेत्र स्थित एक मोबाइल टावर केसी कंप्रेसर का शीशा तोड़कर तांबे की क्वायल चोरी किए जाने का मामला सामने आया है शहर के संग्राम पुरा स्थित केपी संघवी ट्रस्ट संचालित भारतीय मैया हॉस्पिटल में उपचार करने आए युवक की मृत्यु हो जाने से मरीज के परिजनों ने डॉक्टरों के जिम्मेदार बताते हुए जमकर धौलपुर की मामले को बिगड़ता देख संचालकों को पुलिस बुलानी पड़ी पुलिस में लोगों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया।

अठवा में कुरीयर की आफिस से 43 हजार की चोरी

सूरत। शहर के अठवालाइंस स्थित महावीर हास्पीटल के निकट कुरीयर आफिस से 43 हजार नगदी चोरी कर चोर फरार हो गए। जबकि गोड़ादरा क्षेत्र में मोबाईल का मामला सामने आया है। अठवा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार अठवालाइंस महावीर हास्पीटल के पासा प्रोसीडंट प्लाजा के एल/13 में संचालित कुरीयर आफिसर का शटर तोड़कर आफिस के दराज में रखा 43 हजार रुपये चुराकर फरार हो गए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)